ऊर्जा खपत में यूपी वाले राष्ट्रीय औसत से आधे पर

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

उत्तर प्रदेश के लोग बिजली खपत के मामले में राष्ट्रीय औसत से आधे पर हैं। ऊर्जा संरक्षण के लिहाज से देखा जाए तो यह आंकड़े अच्छे लगेंगे लेकिन यहां पर प्रति व्यक्ति बिजली खपत कम होने को मंहगी बिजली से जोड़कर देखा जा रहा है। उपभोक्ता जरूरत के हिसाब से बिजली का उपभोग करने से बचते नजर आ रहे हैं। यह स्थिति तब है जबकि प्रदेश सरकार द्वारा पिछले तीन चार सालों से गांवों से लेकर शहरों तक भरपूर बिजली आपूर्ति की जा रही है।

ऊर्जा संरक्षण दिवस की पूर्व संध्या पर उ.प्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत राष्ट्रीय औसत से आधी होने पर सवाल खड़े किए हैं। परिषद ने कहा है कि पिछले दस सालों में राज्य में बिजली दरों में इतनी वृद्धि की जा चुकी है कि आम उपभोक्ता बिजली के उपभोग से पूर्व कई बार सोचता है।

बिजली दरें सस्ती करे सरकारः परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने वर्ष 2019-20 के ऊर्जा खपत के आंकड़ों के माध्यम से बताया है कि ऊर्जा खपत का राष्ट्रीय औसत प्रति व्यक्ति 1208 यूनिट है जबकि उत्तर प्रदेश में खपत का यह ग्राफ प्रति व्यक्ति महज 629 यूनिट ही है। प्रदेश सरकार से मांग की है कि राज्य में जब पर्याप्त बिजली उपलब्ध है तो प्रति व्यक्ति खपत बढ़ाने के लिए बिजली दरें सस्ती की जाएं।

खपत में बहुत पीछेः उन्होंने कहा कि बिजली दरें तय करते समय उ.प्र. पावर कारपोरेशन जिन राज्यों से तुलना करता है उन राज्यों में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत उत्तर प्रदेश से काफी बेहतर है। पंजाब में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत सालाना 2171 यूनिट, राजस्थान में 1317 यूनिट, उत्तराखंड में 1528 यूनिट, गुजरात में 2388 यूनिट, मध्य प्रदेश में 1086 यूनिट, हरियाणा में 2229 यूनिट तथा दिल्ली में 1572 यूनिट है।

छोटे और पिछड़े राज्यों की कतार में खड़ा है यूपी : राज्य में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत 2017-18 में 628 यूनिट 2018-19 में 606 यूनिट तथा 2019-20 में 629 यूनिट है। प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में यूपी अरुणांचल प्रदेश, मिजोरम, लक्षद्वीप, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, असम और बिहार जैसे राज्यों के साथ खड़ा है।